

2/12

(इस पत्र को असावेज का पेश करने वाला या दरखास्त करने वाले के पास रहने देगा)

(बसूल हुई रसूनों के लिये रसीद)

रसूल वाले या दरखास्त करने वाले का नाम

श्री 0 अमन (वकील)

वेज की विस्म

के दाये का परिमाण

१-रजिस्टरी के रसू

143.25

२-नकल के रसू

३-मुआइजा या तलाश के रसू

४-मुहतारनामों के तस्दीक के रसू

५-कमीशन के रसू

६-मुतफरिकात

७-सफर खर्च

143.25

परमर १ से ६ तक का जीद

En

मुद्रा होने की तारीख

रजिस्टरी करने वाले अठार के दरखास्त



فصلہ سماءہ انیس خاتون زویہ حاجی ولی محمد صاحب کائن علی بازار

شہد کا بیورگی ہوں

جولہ نمبرہ مالک کامل و مالین و کھویدھر حصہ ایک ٹہن باہت

آرڈینیاٹ کھویدھر کی بیوری ذیل کرداری لکھی گئی و اور کھویدھر کی

بیورگیہ و کھیل و صلح لکھی اندرون مال پوریشین کی سے حصہ

ندکر سیرت نمبرہ و دخل بالقانہ میں مہور سے اور صلح

انتقالت میں و صلح و بیورگیہ سے بیوری و پاک ماف

انیس خاتون

دل کھویدھر

الحمد للہ



संख्या ४०५४, अंक ४० ४५

नांक ५.१.७१

रुप ५००

कर्म जनरल

नाम श्री मती अताल खान

पता लईप उईप

प्रेम सिंह

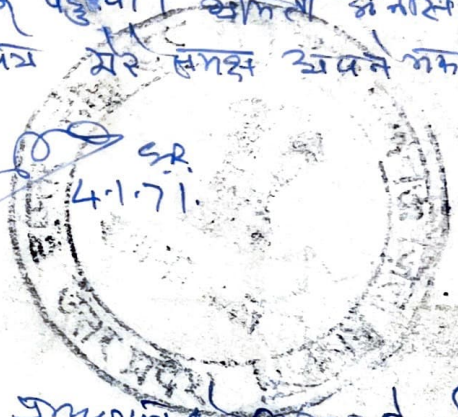
बहायक सरकारी

५/१/७१

दिनांक	मूल्य	उत्तर	योग	शेष
१२/१/७१	१५००	३.००	१५००	१०००

कमीशन के प्रथमपत्र के अनुसूची में अंक ४०५४-६९ ई. सं. के अन्तर्गत ५०० रुपियाँ के अन्तर्गत लिये गये हैं। श्री मती अताल खान पत्नी इन्जी वली मुहम्मद ने यह प्रथमपत्र और सहायक अफसर के रूप में कर्म के उत्तर की।

(Signature)
SR.
५.१.७१



अनुसूची

इस प्रथमपत्र के अन्तर्गत ही श्री मती अताल खान उक्त न. सं. के अन्तर्गत किया। प्रथमपत्र की मुहम्मद इस्लाम अहले सुन्न इन्जी वली मुहम्मद नि. अताल खान, लिये गये व श्री इन्जी मुहम्मद अताल खान को अफसर के रूप में लिये गये हैं।

(Signature)
SR.
५.१.७१

अनुसूची



(Signature)



५५



अफसरों के अ. वि. अनुसूची के अन्तर्गत

(Signature)
SR.
५.१.७१

INDIA NON JUDICIAL

२०० रु.

RS 200

भारत

दो सौ रुपया

TWO HUNDRED RUPEES

اینس خاٹون

ص۔ قولہ محمد لرم الحمد ولد سری محمد اسحاق اهد سائن لکھنؤ
 شہر جوہری بہن مالکہ صاحبہ اور سیرہ انجمہ سے وہ میری خدمت
 و امانت و ذمہ داری کرتا ہے جس سے نمبرہ کو محبت ملی ہے
 اور جس سے نمبرہ نیابت درصہ راہی و خوش ہے۔ حقہ صادر
 ندکور سیرہ بہنوی سری محمد اسحاق اهد کے پیسہ سے ہی نذر لکھنؤ
 خرید لیا گیا اور مانتہات سکراری میں میرے نام اندراج ہے۔ فی الحال
 بحالت صحت نفس و ثبات عقل بدستہ ہوئی خوش و خوش ہے۔
 بدبہرہ دائرہ و ملکہ داب ناچار کسی کے تجویزی مالک خود لکھی حتمہ

बडीय प्रमाण, कयनक १० १०

नांक 4.1-71

रकम १००

उपरोक्त जगदल

नाम श्री गोकुल शिवाजी चौधरी

पता श्री ५३६६६६

श्री गोकुल

श्री गोकुल शिवाजी चौधरी

श्री गोकुल

श्री गोकुल

4/1/71





انہیں خالص

آئندہ انہیں بائیں لکھنے کی وجہ سے اس کا
وہ بدو کے لئے بڑا باطل و ناجائز ہو گا۔ جو کہ اللہ درحالیہ میں
سرکاری میں اسے نام کر لیں۔ لہذا یہ سب نام لکھ کر دیا گیا ہے

رہے اور وقت ضرورت کام آوے۔ فقط

کھلیں کہ ان آرٹھیوں کو جو بدو کی وجہ سے
بہتر ہے اور کھلیں کہ ان میں سے جو بدو ہے۔ اس کا
کی مالگاری 1960-19 سالہ ہے۔ جسے اس کے مالک

12025/- ہے

مالگاری

رقم

نمبر

کنسٹیبل جارجس ڈی ایچ ایچ

بکچر 507

संस्थान संविधान, अनुसूची ३० में

(नं. ५१-७१)

(अ. २६)

कमल

नाम श्रीमती शशी देवी का

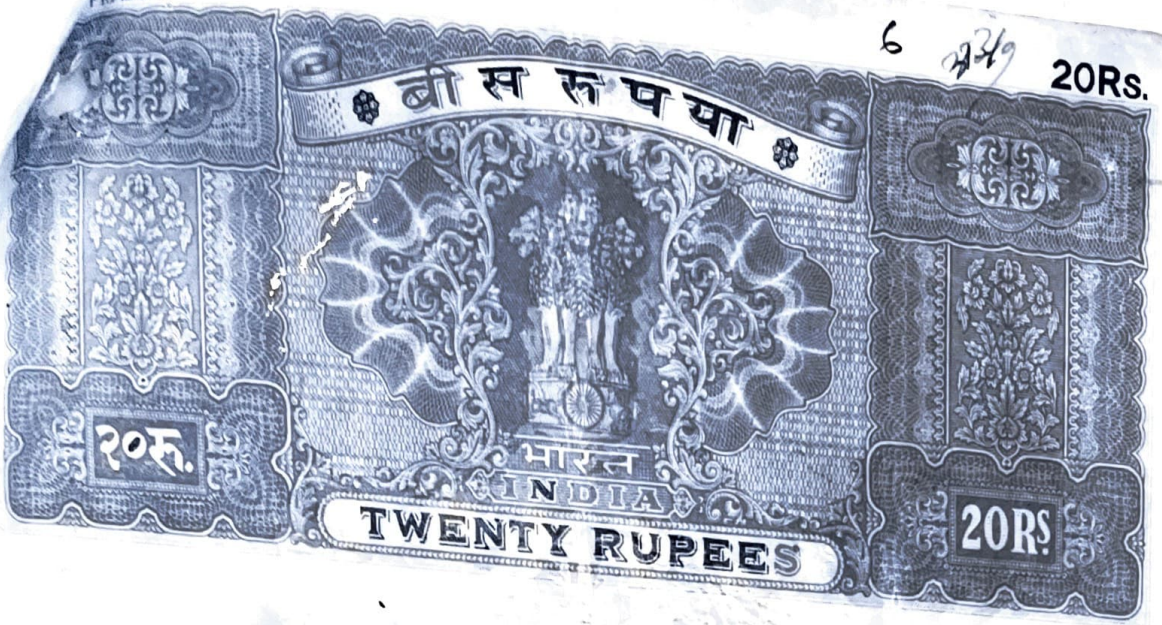
आवक उद्दीन

पे. सं. ५१/७१

संस्थान संविधान
अनुसूची

२ ५१/७१





آئیں خازن

بیکوٹس ۵۳۰ ہندو لہوہ دل لہوہ ۵ لاکھ ۱۰

بیکوٹس ۱۳۵ ایک ہیکہ دو لہوہ ۳۰

بیکوٹس ۲۳۵ ایک ہیکہ لاکھ لہوہ ۹ لاکھ

بیکوٹس ۳۳۵ ستر لہوہ ۷ لاکھ

بیکوٹس ۴۳۵ ایک لہوہ ۵ لاکھ

میرا اصل حقہ لکھ بیکوٹس ۵۳۵ لاکھ

دچہ کو بیکر ۶۶۲ ستر لہوہ ۷ لاکھ

۱۹۶۰-۱۹ کانٹا شامل مذکور

۱۹۶۱ انعام لکھنؤ

لکھنؤ کے اس سٹارڈ لکھنؤ

۱۹۶۰

गणेश (दिया गोमा उरु है) दिवी व हल सुं अनाम अक्षय
गोक मुहम्मद अमीर खारुम गोक हाजी वली मुहम्मद
 साहब साकिर हुनी बाजार अहर काठ पूर ली हु।
 जो कि मुंभिला भाकिर कामील व काकिर व भूमि
 पर हिस्सा एक बरा ही व बाबर काशु चार भूमि
 परी गम्बरी कल बदादी बधानी बाबा हाज वीकिर
 वाल गोक सराने कौष पर गन व लक्ष्मी व जित
 कल ग अक्षरु का पौरीशत ली है हिस्सा
 जायदाद गणेश मे काबजा व देखल मामला
 मे गोक है जो मुहम्मद इन्वैनामात रिक व बय
 व दिया वगैर से बरी व वाल साम है यकि
 मुहम्मद अनाम अक्षय बरु अ मुहम्मद इहाल अक्षय
 साकिर किराल व अक्षु लखनू जी को बहक का
 अदला है जो को गरीज है एर मे लियत व
 इलाक व माम बरदादी का है जिस से मुंभिला
 को मुहम्मद काबरी है जो कि से मुंभिला किराल
 दर्जा राजी व खुश है हिस्सा जायदाद गणेश मे
 पहमोई के मुहम्मद इहाल अक्षय को को है

बजरथे बथ नामा स्वरीदा गथा वा कौतुकागाल
 सरला म मे नाम इन्द्राज हे यनाचे व
 होल सहल गामु व सर्वा अलाल बहुरथरी
 होशी हवास स्वयसा बिना जब व इन्द्राह व
 बिना दोब नागाथज लिसी लै बखुशी खालरे
 खुद उसा हिसा ललबरा लीन बाबर जायदाद
 मजलुरा बाला काराज्याल भूमि पारी गम्बरी
 गेल व लादादी बथालीक बीया लीन बिसवा ली
 अथ लामाी हुदु व हल्लक दाविली व खारजी
 व लामाी मुलाकिलाल उरु लै बिना इस्लामा लिसी
 शाय व गुज व हल लै बिना हेल हल लुल
 खेदमल व सुहबबल कालबी व हल मुहम्मदअलम
अहमद मजलुर वलद अ मुहम्मद इहलल अहमदसाकि
 किशाल गज काहर लखनु हिवा लाविल व बखुरा
 दिवा गरील इमरोजा सै मुंजिलारा ने अयल हिसा
 मालिकाना गंधदाद मोदुबा हाजा सै हटा किया अगे
 लबजा मालिकाना मोदुब इलह मजलुर ला लारा
 दिवा लिस लौ मोदुब इलह ने बखुशी लुबल व

मंगूर कर लिया अब आज से मुंजिल व वारीक
 व काथम मुंजिल मुंजिल की जोई हल व
 दोवा जिस वर हिस्सा जायदाद गोहवा हाजा बन्नी नहीं
 रहा गोहब इलाह हिस्सा जायदाद गोहवा की मालिक वारीक
 हो गये आज्दा आज में का मा जोई वारीक ख्वाह शरक
 गैर किसी तरह का जोई दोवा करे तो वह बरखत वरीर
 हाजा वारीक व का जायज हो जा। गोहब इलाह दाखिल
 ख्वाह कायजल खरनाही में अयना गोक वरीर के व लिसा
 वह हिजा गमा वरीर कर दिया कि सनद रहे और
 वन्व जखर काथ आज्द माल- मालिक गवराज
 अराज थल मुंजी धरी वाने कोजा सराय वीष प्पु गज व
 वहील व किल मखल जिस में हिस्सा 1/3 गोहवा है
 मुंजिल जायदाद की माल गुजारी 96/19 खपत हलाना है
 हिस्सा 1/3 गोहवा की माल खर कि 12825/- है-

नम्बर -	रकबा	माल गुजारी
1- पांच साहस 506	सरीक बोधा चार विसका दक विसवागहा	"
2- पांच साहस 530	पन्डह विसका दक विसवागहा	"
3- पांच साहस 531	रक विसका दो विसवागहा	"

- 4- पाँच सौ बत्ती 532- एक वीधा कुत्ती (बिफवा) "
- 5- पाँच सौ रंती 533 सत्तह (बिफवा) "
- 6- पाँच सौ बाली 534 पाँच (बिफवा) "

दो (बिफवा) कथाली वीधा की (बिफवा) Rs: 96/19

वे छत्तीस वत्त 672 सत्तह (बिफवा) काला शाला मजलू

काम मजलू चार जवरी सन् 1971 ई

काला शाला मजलू काला शाला मजलू नवीस रंती लखन
 रंती 30/- रुपया

वही नं. 1/18/20 नं. 2053 वं नं. 19/20 नम्बर

3005 वं आठ 6 जवरी 1971 रंती लखन की रंती